की गई अध्ययनों की नई योजना के अनुसार, इन स्कूलों में वर्ष 1991-92 से आगे और कक्षा 10वीं में 1992-93 से आगे हिन्दी शिक्षण अनिवार्य हो जायेगा।

(ग) जी, नहीं।

(घ) भाषा से भिन्न विषयों के लिए दिये जाने के लिए अपेक्षित समय सहित शैक्षिक विचारधाराओं पर सीनियर माध्यमिक स्तर पर हिन्दी को अनिवार्य बनाना उचित नहीं समझा जाता।

दृष्ट खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष

1468. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उपयुक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष की स्थापना की है ;

(ख) यदि हां, तो उन खिलाड़ियों का ब्यौरा क्या है जिनके आवेदन इस सहायता हेतु विचाराधीन हैं ; और

(ग) इस संबंध में कब तक कोई निर्णय लिये जाने की संभावना है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिमन भाई मेहता) : (क) जी हां।

(ख) उन खिलाड़ियों का विवरण जिनके आवेदन पत्र सूचनाओं के अभाव में विचार के लिए लम्बित पड़े हैं :—

1. श्री भगीरथी सनीनायक—उड़ीसा से पहलवान

2. श्री मोहम्मद उस्मान अली खां—उड़ीसा से एथलीट

3. श्री कृष्ण कुमार—हरियाणा से मुक्केबाज

4. श्री एच.एल० प्रभाकर—कर्नाटक से बास्केटबाल खिलाड़ी

5. श्री राजासाब चांदसाब छप्परबांड—कर्नाटक से शरीर सौष्ठव

3. श्री भीमराव के० देशमुख—महाराष्ट्र से फुटबाल खिलाड़ी

7. श्रीमती जमुना देवी, पत्नी स्वर्गीय श्री रूप सिंह—मध्य प्रदेश से हाकी खिलाड़ी

8. श्री बुची अलोयस सनकारा कृष्णराव—आन्ध्र प्रदेश से फुटबाल खिलाड़ी

9. श्री एस०ए० नईम—उत्तर प्रदेश से निशानेबाज

10. श्री के०पी० धनराज—आन्ध्र प्रदेश से फुटबाल खिलाड़ी

11. श्री राजीव नय्यर—पंजाब से शतरंज खिलाड़ी

12. श्री सोहन सिंह—पंजाब से भूतपूर्व एथलीट

13. श्रीमती एलीसाबा प्रधान, पत्नी स्वर्गीय श्री जनर्दन प्रधान—उड़ीसा से फुटबाल खिलाड़ी

14. श्री सर्जलान पी० रोडरीगुस—गोवा से बैडमिंटन खिलाड़ी

15. श्रीमती शान्ति देवी, पत्नी स्वर्गीय श्री प्रहलाद मंणा—राजस्थान से सर्वश्रेष्ठ

16. श्री पी० जार्ज विक्टर—केरल से फुटबाल खिलाड़ी

17. श्री के ई० मोंगु—महाराष्ट्र से पहलवान

18. श्री रवी रामचन्द्र अम्बेडकर—महाराष्ट्र से शतरंज खिलाड़ी।

(ग) सम्बन्धित खेल संघों, राज्य सरकारों और अन्य एजेन्सियों से परामर्श करने के बाद संबंधित आवेदक/कत द्वारा बताई गई उपलब्धियों के दावों तथा उनकी वर्तमान स्थिति की जांच करने के बाद निर्णय लिया जाता है।